जीवन की घड़ियों में कोई ऐसा भी पल आये लिरिक्स

जीवन की घड़ियों में,
कोई ऐसा भी पल आये,
जब श्याम निकट आये,
चरणों से लिपट जाए,
इस मन के भावों को,
बस तुम ही समझते हो,
मेरे मन के भावों को,
बस तुम ही समझते हो,
ये मन में ना रह जाए,
दिल सोच के घबराये,
जीवन की घड़ियो में।bd।

तर्ज – अँखियों के झरोखों से।

बरसो तुम्हारे द्वार पे,
मैं आता रहा हूँ,
इस दर को छोड़ कर कहो,
अब और कहाँ जाऊं,
एक बार जो मिल जाओ,
तड़पन मेरी मिट जाए,
जो श्याम निकट आये,
चरणों से लिपट जाए,
जीवन की घड़ियो में।bd।

तुम्हे पाने की खातिर,
प्रभु ये जीवन मिला है,
जन्मो की चाहतों का,
इतना ही सिला है,
पथराई ये अँखियाँ,
राह तकती ना रह जाए,
जो श्याम निकट आये,
चरणों से लिपट जाए,
जीवन की घड़ियो में।bd।

मेरा बस चले तो सांवरे,
मैं दौड़ा चला आऊं,
जीभर के मैं देखूं तुम्हें,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

खाटू में ही बस जाऊं,
तेरी श्याम बगीची का,
ये फूल ना मुरझाये,
जो श्याम निकट आये,
चरणों से लिपट जाए,
जीवन की घड़ियो में।bd।

एक बार तो आओगे प्रभु,
विश्वास ये मेरा है,
दर्शन बिना 'मुकेश' के,
जीवन में अँधेरा है,
आ भी जाओ सांवरिया,
कहीं दम ना निकल जाए,
जो श्याम निकट आये,
चरणों से लिपट जाए,
जीवन की घड़ियो में।bd।

जीवन की घड़ियों में,
कोई ऐसा भी पल आये,
जब श्याम निकट आये,
चरणों से लिपट जाए,
इस मन के भावों को,
बस तुम ही समझते हो,
मेरे मन के भावों को,
बस तुम ही समझते हो,
ये मन में ना रह जाए,
दिल सोच के घबराये,
जीवन की घड़ियो में।bd।

Singer & Writer – Mukesh Sawariya

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com